# बावरा | by Honey Tomar Khadana

वृन्दावन की कुञ्ज गलिन में कान्हा कैसे आऊं मैं
जनम जनम का प्यासा हूँ अब कैसे प्यास बुझाऊं मैं
ऐसी युक्ति मोहे बता जो भव सागर तर जाऊं मैं
बीच फँसी मझधार ये नैया कैसे पार लगाऊं मैं

ना कान्हा मोहे अब ना सत्ता रे
प्रेम गली का मुझको पता दे
तेरी यादों से मिले आसरा
एक मैं एक दिल मेरा है बावरा
सांवरे तेरे इश्क़ में मैं सांवरा
एक मैं एक दिल मेरा है बावरा

तेरी याद में खोया हूँ
तेरी याद में रोया हूँ
मिल जाओ अब ऐ गिरधर
प्रेम नींद में सोया हूँ

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a4%be-by-honey-tomar-khadana/